क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्स उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्स उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 96, मंगलवार, 30 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

चुनाव के दौरान गोली चलाने के लिए केंद्रीय बलों पर नाराज हैं ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीरभूम जिले में एक मतदान केंद्र के ''अंदर कथित तौर पर गोलियां चलाने के लिए सोमवार को केंद्रीय बलों की आलोचना की और भाजपा पर आरोप लगाए कि वह चुनावों में सुरक्षा बलों का दुरूपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था राज्य सरकार का विषय है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बलों का काम मतदान केंद्रों के अंदर घुसना नहीं है और उन्हें मतदान केंद्रों के बाहर निगरानी रखनी चाहिए। एक वरिष्ठ चुनाव अधिकारी ने बताया कि बीरभूम लोकसभा क्षेत्र के दुबराजपुर इलाके में मतदाताओं का केंद्रीय बलों के साथ उस वक्त कथित तौर पर संघर्ष हो गया जब उन्हें मोबाइल फोन के साथ मतदान केंद्रों के अंदर जाने से रोक दिया गया। अधिकारी ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर हवा में गोलीबारी की जिसके बाद मतदान केंद्रों पर चुनाव रोक दिया गया। टीएमसी सुप्रीमो बनर्जी ने कहा, ''मैंने सुना है कि दुबराजपुर में सीआरपीएफ ने मतदान केंद्र के अंदर गोलियां चलाईं। मुझे अभी विस्तृत रिपोर्ट नहीं मिली है। सीआरपीएफ कर्मियों को मतदान केंद्रों के बाहर तैनात किया जा सकता है लेकिन उन्हें लाठीचार्ज करने या गोली चलाने का अधिकार नहीं है। 24 परगना जिले में एक रैली में टीएमसी प्रमुख ने कहा, ''कानून-व्यवस्था राज्य सरकार का विषय है न कि केंद्र सरकार का। अगर केंद्रीय बलों को रूट मार्च भी निकालने की जरूरत होती है तो उन्हें राज्य पुलिस को साथ लेना होता है।

सांप्रदायिक टिप्पणी करने के मामले में गिरिराज सिंह को चुनाव आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सांप्रदायिक टिप्पणियां करने को लेकर सोमवार को केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता गिरिराज सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया। आयोग ने कहा कि प्रथमदृष्टया गिरिराज ने आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का उल्लंघन किया है। आचार संहिता और उच्चतम न्यायालय के निर्देश कहते हैं कि चुनाव प्रचार के दौरान की जाने वाली बयानबाजी में धर्म का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। गिरिराज को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए 24 घंटे का वक्त दिया गया है। बिहार के बेगूसराय जिला प्रशासन ने स्वत: संज्ञान लेते हुए 25 अप्रैल को गिरिराज के खिलाफ आदर्श आचार संहिता और जनप्रतिनिधित्व कानून के उल्लंघन का मामला दर्ज किया था। गिरिराज पर 24 अप्रैल को एक जनसभा में भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की मौजूदगी में मुस्लिमों के खिलाफ टिप्पणी करने का आरोप है। बेगूसराय में रैली को संबोधित करते हुए बेगूसराय में रैली को संबोधित करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा था, ...जो वंदे मातरम नहीं गा सकता, जो मातृभूमि का सम्मान नहीं कर सकता, उसे देश माफ नहीं करेगा। मेरे पूर्वज सिमरिया घाट में गंगा नदी के किनारे मरे, और उन्हें कब्र की जरूरत नहीं पड़ी। लेकिन तुम्हें तो तीन हाथ जगह चाहिए। साल 2014 के लोकसभा चुनावों में गिरिराज को सांप्रदायिक टिप्पणियां करने के कारण बिहार और झारखंड में चुनाव प्रचार करने से रोक दिया गया था।

गिरिडीह में बोले मोदी

महामिलावटी लोग नहीं चाहते मजबूत और पूर्ण बहुमत वाली सरकार

गिरिडीह (एजेंसी)। झारखंड के गिरिडीह जिले में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब ईमानदारी और साफ नीयत हो तो बिना लूट-खसोट वाली सरकार भी चल सकती है और देश का विकास भी हो सकता है। वर्तमान में इसी वजह से पूरा देश पूरे विश्वास के साथ अपने इस सेवक, अपने इस चौकीदार के साथ खड़ा है। इसी दौरान विपक्ष पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि महामिलावटी लोग केंद्र में मजबूत और पूर्ण बहुमत वाली सरकार नहीं चाहते हैं। इनका सिर्फ एक ही मकसद है कि कैसे करोड़ों-अरबों रूपये इधर से उधर करें। साथ इन्हें ऐसे लोग चाहिए जो इनके रिश्तेदारों के गुलाम बनकर रहें। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये किसी भी कीमत पर देश में एक मजबूत, पूर्ण बहुमत वाली सरकार नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कोडरमा से रांची तक की रेल लाइन की मंजूरी अटल की सरकार ने करीब 20 साल पहले दी थी। फिर कांग्रेस की सरकार दिल्ली में आई और ये योजना ठप पड़ गई।2014 में आपने इस सेवक को अवसर दिया। अब कोडरमा-हजारीबाग-बरकाना-सिद्धवार सेक्शन तैयार है और एक डेढ़ साल में रांची तक पूरी लाइन तैयार करने की तरफ हम बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कोडरमा और चाईबासा में मेडिकल कॉलेज, देवघर में एम्स अस्पताल और गांवों में आधुनिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बनाए जा रहे हैं। वहीं आयुष्मान भारत योजना से हर वर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज गरीब से गरीब को भी उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश में बरसों से मांग हो रही थी कि पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा मिले, लेकिन ये लोग बार-बार इन कोशिशों को बेक लगाते रहे। इनकी सारी राजनीतिक चालों और साजिशों को हराने के बाद हमारी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का काम किया। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग किसी के नहीं हैं। इन लोगों को जहां अपना वोटबैंक नहीं दिखता, ये उस इलाके को गरीब बनाकर रखते हैं, पिछड़ा बनाकर रखते हैं, वहां के लोगों को पूछते तक नहीं हैं। गरीब आदिवासी भाई-बहनों के साथ भी इन लोगों ने यही किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने घोषणा की है कि अगर उसके सहयोग से कोई सरकार बनती है तो देशद्रोह का कानून हटा दिया जाएगा। यानि जो नक्सलियों को मदद देने वाले लोग हैं उन पर कार्रवाई करना मुश्किल होगा। ये है कांग्रेस की सोच। पीएम मोदी ने कहा कि बात चाहे पाकिस्तान के आतंकवादियों की हो या फिर घर में छुपे गद्दारों की, आपका ये चौकीदार किसी को नहीं छोड़ेगा। सर्जिकल स्ट्राइक हो या फिर एयर स्ट्राइक, ये तय है कि जहां से भी हमें खतरा होगा, वहां घुसकर मारेंगे।

चिदंबरम बोले- चुनाव बाद बन सकती है यूपीए 3 की सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने नरेंद्र मोदी सरकार के पांच साल के कार्यकाल को 'पूर्णत: त्रासदी करार देते हुए कहा है कि भाजपा अगली सरकार नहीं बना सकेगी और संप्ग-3 वास्तविकता का रूप ले सकता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि भाजपा का 'ध्रुवीकरण आधारित चुनाव प्रचार का देश के दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों में कोई असर नहीं होगा, हालांकि यह देखना होगा कि उत्तरी और पूर्वी भारत में इसका क्या असर रहता है पूर्व वित्त मंत्री ने 'पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, ''हमें पूरा भरोसा है कि भाजपा फिर सरकार नहीं बना पाएगी। अगली सरकार गैर-भाजपा होगी। सरकार के गठन में मौजूदा संप्रग की बड़ी भूमिका होगी। अगर चुनाव बाद और साथी आते हैं तो मुझे लगता है कि संप्रग-3 के अमल में आने की प्रबल संभावना है। मोदी सरकार के कामकाज के संदर्भ में चिदंबरम ने कहा कि अर्थिक मोर्चे पर यह स्पष्ट पूरी तरह स्थापित हो गया कि आर्थिक प्रगति धीमी हो गई है और बेरोजगारी पिछले 45 वर्षों के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इकॉनोमी की ओर से तैयार डेटा मेरे पास है जिससे साफ पता चलता है कि अप्रैल, 2019 के तीसरे हफ्ते में बेरोजगारी की दर 8.4 प्रतिशत तक पहुंच गई है। सामाजिक सद्भाव के विषय पर चिदंबरम ने दावा किया कि इस सरकार में देश में खासकर उत्तर भारत में सामाजिक सद्भाव टूट गया तथा एक समुदाय को दूसरे समुदाय के सामने खड़ा कर दिया गया है। चिदंबरम ने कहा कि सुरक्षा के मामले पर कहा कि मौजूदा समय में देश पहले के मुकाबले कम सुरक्षित है और हमेशा यह डर बना रहता है कि पाकिस्तान के साथ युद्ध हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार 'पूर्णत: त्रासदी रही है। चिदंबरम यह उम्मीद भी जताई कि उनके गृह नगर तमिलनाडु में संप्रग 33 से अधिक सीटें जीतेगा।

चुनाव आयोग ने दिया बाबुल सुप्रियो के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश

कोलकाता। केन्द्रीय मंत्री एवं पश्चिम बंगाल के आसनसोल से भाजपा उम्मीदवार बाबुल सुप्रियो के खिलाफ मतदान केन्द्र के भीतर लोगों को कथित रूप से धमकाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराये गयी है। श्री सुप्रियो पर आरोप है कि उन्होंने बारावनी विधानसभा क्षेत्र में काशीडांग एफ. पी. स्कूल स्थित मतदान केन्द्र में घुसकर वहां मतदान कर्मियों को धमकाया था। इस मामले में लिखित शिकायत मिलने पर उनके अलावा कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इस बीच, सुप्रियो की कार क्षतिग्रस्त करने के मामले में बारावनी के सहायक पुलिस निरीक्षक इम्दादुल हक की लिखित शिकायत पर कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है आसनसोल लोकसभा सीट के लिए 10 प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतरे हैं, जिनमें टीएमसी, भाजपा, माकपा और कांग्रेस के प्रत्याशी शामिल हैं लेकिन इस सीट पर टीएमसी और भाजपा के बीच मुख्य मुकाबला होने की उम्मीद है। बंगाली फिल्म की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री सुचित्रा सेन की बेटी एवं अभिनेत्री मुनमुन सेन इस सीट से चुनावी मैदान में उतरी हैं, जिन्होंने 2014 के लोकसभा चुनाव में बांकुरा लोकसभा क्षेत्र में नौ बार के माकपा सांसद वासुदेव आचार्य को हराकर अपने पहले चुनाव में बड़ा उलटफेर किया। इस बार उनका मुकाबला केंद्रीय मंत्री और आसनसोल से मौजूदा भाजपा सांसद बाबुल सुप्रियो से है।

आतंकवादी हो या गद्दार, किसी को नहीं छोड़ेगा चौकीदार: मोदी

नेशनल डेस्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि आतंकवादियों को घर में घुसकर मारेंगे। उन्होंने कहा कि चाहे पाकिस्तान के आतंकवादी हो या फिर घर में छुपे गद्दार, आपका ये चौकीदार किसी को नहीं छोड़ेगा। पीएम कोडरमा, झारखंड में विशाल जनसभा को सम्बोधित करे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस ने घोषणा की है कि अगर उसके सहयोग से कोई सरकार बनती है तो देशद्रोह का कानून हटा दिया जाएगा। यानि जो नक्सलियों को मदद देने वाले लोग हैं उन पर कार्रवाई करना मुश्किल होगा, ये है कांग्रेस की सोच। ये लोग किसी के नहीं हैं। इन लोगों को जहां अपना वोटबैंक नहीं दिखता, ये उस इलाके को गरीब बनाकर रखते हैं, पिछड़ा बनाकर रखते हैं, वहां के लोगों को पूछते तक नहीं हैं। गरीब आदिवासी भाई-बहनों के साथ भी इन लोगों ने यही किया है। देश में बरसों से मांग हो रही थी कि पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा मिले। लेकिन ये लोग बार-बार इन कोशिशों को ब्रेक लगाते रहे। इनकी सारी राजनीतिक चालों और साजिशों को हराने के बाद हमारी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का काम किया। 2014 में आपने इस सेवक को अवसर दिया। अब कोडरमा-हजारीबाग-बरकाना-सिद्धवार सेक्शन तैयार है और एक डेढ़ साल में रांची तक पूरी लाइन तैयार करने की तरफ हम बढ़ रहे हैं। कोडरमा से रांची तक की रेल लाइन की मंजूरी अटल जी की सरकार ने करीब 20 साल पहले दी थी। फिर कांग्रेस की सरकार दिल्ली में आई और ये योजना ठप पड़ गई।

दक्षिण भारत में खाता भी नहीं खुलेगा भाजपा का: पायलट

सरदार शहर (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ने का जिक्र करते हुए राजस्थान के उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को कहा कि दक्षिण भारत में भाजपा का खाता भी नहीं खुलेगा। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच साल पहले जनता से किए गए सारे वादे झूठे निकले हैं। पायलट चुरू लोकसभा क्षेत्र के सरदारशहर कस्बे में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं की बात मानकर केरल से चुनाव लड़ने का मन बनाया और उसका परिणाम यह है कि दक्षिण भारत में भाजपा का खाता भी नहीं खुलेगा और पूरा सफाया होने वाला है भारतीय जनता पार्टी का।उन्होंने कहा, जिन तीन राज्यों में सरकार बनी है मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में वहां भाजपा का वही हाल होगा जो विधानसभा चुनाव में हुआ था। मोदी सरकार को घमंड व गुरूर की सरकार बताते हुए उन्होंने कहा उसने किसानों की अनदेखी की और नौजवानों को बेरोजगार रहने दिया। पायलट ने कहा, मोदी साब ने पांच साल पहले जो तमाम वादे किए थे वे सारे झूठे साबित हुए हैं। पायलट ने कहा, आने वाले पांच साल इस देश के लिए महत्वपूर्ण हैं। हमारे देश में जो संवैधानिक संस्थाएं थीं उनको चुन चुन कर खत्म करने का काम इस सरकार ने किया है। आज आक्रमण हो रहा है सीबीआई हो, आरबीआई हो ईडी हो इनकम टैक्स हो सबका दुरुपयोग करके लोगों की आवाज को दबाया जा रहा है।उन्होंने कहा, जो भाजपा के विरोध में है वह देश विरोधी। जो कोई मोदी सरकार से सवाल पूछने वह राष्ट्रविरोधी। बेरोजगारी हो, महंगाई हो, आर्थिक तंगी हो या कृषि संकट इनके पास एक ही जवाब है पाकिस्तान चले जाओ। एक ही जवाब है सारे सवालों का लेकिन अब जनता जवाब देगी। सभा को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी संबोधित किया।

राहुल गांधी का वादा- सत्ता में आते ही 22 लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार

नेशनल डेस्क (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपने वादों पर खरा नहीं उतरने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि वह जहां भी जाते हैं झूठ बोलते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने धौलपुर के सैपउ में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की सत्ता में आने पर कांग्रेस न्याय योजना के तहत पांच करोड़ महिलाओं के खाते में 3.60 लाख रुपये सालाना डालेगी, 22 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देगी, दस लाख युवाओं को पंचायतों में रोजगार देगी तथा देश का कोई भी किसान कर्ज न चुका पाने की वजह से जेल में नहीं डाला जाएगा। राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी जहां भी जाते हैं झूठ बोलते हैं। किसानों को सही दाम दूंगा, दो करोड़ युवाओं को रोजगार दूंगा। 15 लाख रुपये बैंक खातों में डालूंगा। मैं यहां आपसे झूठ बोलने नहीं आया हूं। मैं आपको सीधे सीधे बता रहा हूं कि 15 लाख रूपये नहीं दिये जा सकते। तीन लाख 60 हजार रुपये बैंक एकाउंट में जाएंगे, यह गारंटी है मेरी। पांच करोड़ बैंक खातों में जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं आपको यह नहीं बोलूंगा कि दो करोड़ युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। मैं आपको बोलूंगा कि न्याय योजना हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए अहम होगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 22 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा एक साल में। दस लाख युवाओं को पंचायतों में रोजगार दिया जाएगा.. ये मैं आपको बोलूंगा। मैं आपसे यह भी बोलूंगा कि राजस्थान की सरकार, हिंदुस्तान की सरकार आपकी शिक्षा, आपके स्वास्थ्य, सरकारी अस्पताल बनाने, सरकारी कालेज यूनिवर्सिटी बनाने में आपका पैसा डालेगी।

मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे बीएसएफ के बर्खास्त जवान तेजबहादुर को सपा ने बनाया उम्मीदवार

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने सेना में कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाने के कारण बर्खास्त किये गये सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पूर्व जवान तेज बहादुर यादव को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ वाराणसी लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। सपा की तरफ से जारी बयान के मुताबिक पार्टी ने वाराणसी सीट से शालिनी यादव के स्थान पर तेज बहादुर को प्रत्याशी बनाया है। तेज बहादुर ने सोमवार को नामांकन के आखिरी दिन सपा प्रत्याशी के तौर पर पर्चा दाखिल किया। इससे पहले वह निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन कर चुके थे। तेज बहादुर ने पर्चा दाखिल करने के बाद संवाददाताओं से कहा हमने दोबारा सपा के चुनाव चिन्ह के साथ पर्चा दाखिल किया है। सपा द्वारा पूर्व में घोषित प्रत्याशी शालिनी यादव का टिकट काट दिये जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस बारे में पार्टी से ही पूछें तो बेहतर है। मालूम हो बीएसएफ के जवान रहे तेज बहादुर पिछले साल जम्मू-कश्मीर में तैनात जवानों को खराब खाना दिये जाने की शिकायत वाले वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने के बाद चर्चा में आये थे। उन्हें झूठे आरोप लगाने के आरोप में जुलाई 2018 में बर्खास्त कर दिया गया था। इस लोकसभा चुनाव में उन्होंने वाराणसी से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने का फैसला किया था। वाराणसी से पीएम मोदी के खिलाफ लड़ रहे तेजबहादुर को कई पार्टियों का समर्थन मिल रहा है। तेज बहादुर यादव पिछले कई दिनों से पीएम मोदी के खिलाफ जोरदार प्रचार कर रहे हैं। चुनाव लड़ने के लिए जाते वक्त उन्होंने पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कहा था कि यह लड़ाई असली चौकीदार और नकली चौकीदार के बीच है। पिछले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टक्कर दे रहे आम आदमी पार्टी के मुखिया व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं जिससे प्रधानमंत्री के लिए राह और आसान हो गई है। प्रधानमंत्री के खिलाफ इस बार कोई बड़ा चेहरा मैदान में नहीं है। सपा-बसपा गठबंधन प्रत्याशी शालिनी यादव और कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय प्रधानमंत्री के मुकाबले काफी हल्के प्रत्याशी के तौर पर देखे जा रहे हैं। ऐसे में समाजवादी पार्टी ने अपने उम्मीदवार को हटाकर तेज बहादुर यादव को समर्थन देने का मन बनाया है। तेजबहादुर यादव को अन्य पार्टियों का भी समर्थन मिल रहा है। सपा-बसपा, कांग्रेस मिलकर अगर तेजबहादुर का साथ देती हैं तो प्रधानमंत्री के लिए राहें आसान नहीं होंगी।

संपादकीय

विचारधारा की विचारहीनता

वैसे यह कोई नई बात नहीं है। खासकर सोशल मीडिया के इस जमाने में यह अक्सर दिखाई दे जाता है कि लोग विरोधी विचार वाले के तर्कों को सुनना तक नहीं चाहते, यहां तक कि उन तर्कों को भी, जो वाजिब होते हैं और कई बार तो वैसे तर्क भी, जो उनके हितों से कहीं टकराते नहीं हैं। ऐसा हमें अक्सर दिख जाता है और इसे हम सामने वाले की मूर्खता समझकर माथापच्ची छोड़ देते हैं। ठीक वैसे ही, हमारे मामले में भी सामने वाले के साथ प्रायः ऐसा होता होगा, पर हम इस समस्या से कभी माथापच्ची नहीं करते। वर्जीनिया विश्वविद्यालय के कुछ शोधार्थियों ने इसको लेकर एक लंबा शोध कर डाला। उन्होंने इसके लिए दो वेबसाइटें चुनीं। पहला प्रयोग 924 अमेरिकियों को लेकर एक वेबसाइट पर किया गया। इन लोगों में उदारपंथी भी थे और कट्टरपंथी भी। इस प्रयोग में पाया गया कि ज्यादातर मामलों में उदारपंथियों की तार्किक बातें कट्टरपंथियों के पल्ले नहीं पड़ीं, जबकि कट्टरपंथियों की तार्किक बातों को उदारपंथियों ने स्वीकार नहीं किया। ऐसा ही एक और प्रयोग दूसरी वेबसाइट पर 1,489 लोगों पर किया गया। नतीजे वही निकले। आमतौर पर माना जाता है कि हम दूसरी सोच के लोगों के तर्कों को इसलिए स्वीकार नहीं करते, क्योंकि हम उन तर्कों की तह में जाने की कोशिश नहीं करते, बल्कि उनका मुकाबला उन निष्कर्षों से करते हैं, जो पहले से हमारे पास होते हैं। पर सोशल, साइकोलॉजिक ऐंड पर्सनैलिटी साइंस नाम की शोध पत्रिका में छपा यह शोध इससे भी आगे के निष्कर्ष पर पहुंचा है। यह शोध कहता है कि हमारे पूर्वाग्रह, खासकर राजनीतिक पूर्वाग्रह हमारे तार्किक ढंग से सोचने की क्षमता को कमजोर करते हैं और कई बार तो ऐसा लगता है, जैसे वे उसे खत्म ही कर देते हैं। दिलचस्प यह है कि यह पूर्वाग्रह दोनों तरह के लोगों में होते हैं। इस मामले में अक्सर उदारवादी कट्टरतावादियों से भी ज्यादा कट्टर साबित होते हैं। और बात सिर्फ तर्क या विचार की नहीं है, विचारधाराओं से जुड़े लोग ऐसे तथ्यों तक को मानने से इनकार कर देते हैं, जो उन्हें उनकी विचारधारा के विपरीत दिखाई देते हैं। विश्वविद्यालय के शोधार्थियों अनूप गंपा और उनकी टीम द्वारा किया गया यह शोध एक और ऐसी बात बताता है, जिसे हम शायद पहले से ही जानते हैं कि लोगों को अपने तर्कों की खामियां कभी नहीं दिखाई देतीं। बेशक इसमें कोई नई बात नहीं है, लेकिन इस तरह के शोध इसलिए बढ़ गए हैं और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गए हैं, क्योंकि सोशल मीडिया के दौर में सभी तरह की कट्टरताएं न सिर्फ बढ़ रही हैं, बल्कि उन्हें टकराते रहने का भी बहुत बड़ा क्षितिज मिल गया है। विचारों को इंसानी सभ्यता की सबसे बड़ी ताकत माना जाता रहा है और अभी कुछ समय पहले तक विचारधाराओं को भी सम्मान की नजर से ही देखा जाता था, बावजूद इसके कि उनका कट्टरपंथ भी हमें परेशान करता था। लेकिन सोशल मीडिया के आने के बाद उन सभी विचारधाराओं के वात, कफ और पित्त जैसे खुलकर सामने आने लगे हैं। अभी तक हम यह मानते रहे हैं कि काम, क्रोध, लोभ, मोह हमारे सोचने-समझने की ताकत छीन लेते हैं। लेकिन अब लगता है कि यही काम हमारी विचारधाराएं भी करती हैं। शायद वे भी हमारे काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि का विस्तार ही हैं।

ट्वीट

वोट

आपका राजनीतिक झुकाव जो भी हो, वोट करें। आपकी भागीदारी महत्वपूर्ण है। इसी तरह मैं स्वास्थ्य, शिक्षा, गरीबी, अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों के बारे में सोचता हूं। जितना हम इन चीजों पर ध्यान केंद्रित करके राय बनाएंगे, एक लोकतंत्र के रूप में हम बेहतर करेंगे। – हर्ष गोयनका, उद्योगपति

आपाधापी में कुछ छूटने-टूटने की टीस

सुरेश सेठ

पंजाब के शहरों से लेकर दूर गांवों और कस्बों तक घूम आता हूं। शहरों में चुनाव प्रचार की धमक शुरू हो गई है, लेकिन गांवों से लेकर शहरों तक कहीं ढोल की धमक नहीं सुनी। चाहे विदाई हमने विदा कर दी। शहरों के विरासती अखाड़े अब मस फूटते नौजवान मल्लों की हुंकार से नहीं गूंजते। उधर, गांवों में, कस्बों में, भांगड़ा नाचते पंजाबियों के कदमों की धमक मंद पड़ गई है। खेतों में फसलें लहलहा रही हैं। मौसम की बेवफाई का संताप भी झेल रही हैं। मौसम बेमौसम हो जाता है। फसलें फिर बेवफाई से सहमने लगती हैं। किसानों के चेहरे उतर जाते हैं। कहां गए पंजाब के मेले-ठेले? यहां-वहां लगने वाली पशु मंडियां? अब तो जैसे शहरों ही नहीं, गांवों तक में एक अजब-सी भागदौड़ और आपाधापी है। गांवों की छतों पर भी डिश एंटिना नजर आने लगे हैं लेकिन अब कोई गुरशरण सिंह रात को अपनी नाटक मंडली के साथ बैलगाड़ियों को अस्थाई मंच बना नुक्कड़ नाटक नहीं खेलता। वक्त बदल गया। जगराते, माता की चौकियां और शोभायात्राएं तो बदलते शहरों का शृंगार बन गईं। पटियाला से गुजर जाओ, कहीं टिप्परी नाचते नौजवान नजर नहीं आते। हवाओं में 'जय श्रीराम' की धमक गूंजती है। लेकिन युवा पीढ़ी इस धमक से उत्तेजित नहीं, उदास नजर आती है क्योंकि उनके लिए रोजगार दिलाऊ दफ्तरों की खिड़कियां खटखटाने पर भी नहीं खुलतीं। बेरोजगार शिक्षित नौजवानों के हाथ में लार्ड मैकाले की शिक्षा प्रणाली से मिली हुई डिग्रियां, उनकी बैसाखियां नहीं बन पातीं। महानगरों में कॉरपोरेट सेक्टर की धूम है। पटियाला से अमृतसर तक घूम जाइए। यहां-वहां मॉल-प्लाजाओं ने सिर उठा लिए। लेकिन पटियाला के परांदा बाजार और जुत्ती बाजार क्यों उखड़े-उखड़े नजर आते हैं? बड़े-बड़े व्यावसायिक घरानों ने अपनी स्वचालित मशीनों की सहायता से आर्थिक विकास दर को बढ़ा दिया।

पुराने सिनेमाघर खंडहरों में तबदील हो गए। जमाना सिंगल स्क्रीन का नहीं, मल्टीपल स्क्रीन वाले पी.वी.आर. का आ गया। लोग खर्चीली टिकटों के साथ 200 रुपये का पापकार्न खाते हुए आधुनिक हो रहे हैं। सड़कों पर भट्ठी वालियां अब मकई के दाने भूनती नजर नहीं आतीं। कोई शिव कुमार बटालवी नहीं कहता, 'भट्ठी वालिए मेरी दर्द दा परागा भुन्न दे।' पंजाबियत के नारे जिंदा हो रहे हैं। युग संस्कृति का चेहरा उधड़ रहा है। गरीब और गरीब हो गए। डिग्रीधारी को और व्यर्थ कर दिया गया। उन्हें भला मेले-ठेलों में जाकर दंगल की हुंकार लगाने की फुर्सत कहां? बलवंत सिंह और जगदीश चंद्र के उपन्यासों की कथा भूमि गांवों में नजर नहीं आती। अधिक से अधिक वहां मेला लगता है तो परिवार नियोजन मेले जहां 'दो बूंद ज़िंदगी की' जैसे बोर्ड चमकते हैं। महंगाई और भ्रष्टाचार युग बदलने के नारों के बावजूद अभी भी दैनिक जीवन में दनदनाते हैं। पब्लिक स्कूल कल्चर की जगह सरकारी स्कूलों ने नहीं ली। जबकि पिछले दिनों वायदा किया गया था कि सरकारी स्कूलों में छात्रों के दाखिले बढ़ाए जाएंगे और पब्लिक स्कूलों की दुकानदारी के पंख कतरने का प्रयास होगा। लेकिन पंजाब में न नई शिक्षा नीति, न आपरेशन ब्लैक बोर्ड ने कोई नया माहौल सृजित किया है और न ही शिक्षा का संवैधानिक अधिकार। चाहे पंजाब ने यह पहले स्वीकार किया था लेकिन यह निर्धन छात्रों के द्वार तक नहीं जा सका। देशभर के नौजवानों में बेरोजगारी की दर बढ़ती जा रही है। स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया-2018 की बेरोजगारी रिपोर्ट आ गई है, जो इंटरव्यू के लिए दर-दर भटकते नौजवानों को बताती है कि कई सालों तक बेरोजगारी दर 2 से 3 प्रतिशत के आसपास रहने के बाद साल 2015 में 5 प्रतिशत तक पहुंच गई और देश के युवक जो देश की कुल आबादी का आधा भाग हैं, उनमें बेरोजगारी की दर 16 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। याद रखा जाए कि जी.डी.पी. में दस प्रतिशत की वृद्धि हो जाए तो रोजगार में एक प्रतिशत से भी कम की वृद्धि होती है। अंतिम आंकड़े सामने आ रहे हैं। पिछले तीन वर्ष से नये युग के दावों के बावजूद देश की विकास दर 7 प्रतिशत तक ठिठकी हुई है। इसका अर्थ कि कुल रोजगार में एक प्रतिशत भी वृद्धि नहीं हुई। कई दूसरे जानकार भी बताते हैं कि देश में बेरोजगारी दर पिछले दो दशक में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई लेकिन आज की सरकार इस ऊंचे स्तर को स्वरोजगार के नारों से झुठलाती है। मुद्रा योजना की सार्थकता की पुनः-पुनः घोषणा होती है और काम मांगते नौजवान के हाथों में उतने पैसे भी नहीं बंट पाते, जितने बजट में आवंटित हुए थे। शहर-शहर घूमता हूं, नौजवानों की आंखों में उदासी के साये हैं। अपने छात्रों को सब्जी की दुकानें और रिक्शा चलाते हुए देखता हूं। सड़कों के किनारों पर होली के अवसर पर अब होलिका नहीं जलती। वे अब क्या अपनी डिग्रियों की होली जलाएंगे? नये जीवन के उत्साह से छूटते जा रहे हैं नौजवान। सांस्कृतिक चेतना पर भूख की चेतना हावी हो रही है। रोजगार मुहैया करवाने का जिक्र अभी भी रोजगार नीतियों की बंद फाइलों का कैदी है। अजब तर्क है कि घुसपैठियों के कारण स्थानीय लोगों का रोजगार छिना, इसलिए घुसपैठ रोकेंगे। शहरों में पंजाब से लेकर जम्मू तक अजनबी लोगों की बस्तियां उभर आई हैं। इनमें प्रवासी श्रमिकों से लेकर रोहिंग्या मजदूर तक हैं। संस्कृति के नाम पर फैशन शो होते हैं और लोकगीतों के नाम पर ऐसी बेढब, बेतुकी अश्लीलता परोसी जा रही है कि कला-संस्कृति के पहरूए उसके विरुद्ध आवाज उठाते हुए भी उससे लोहा लेने का प्रयास नहीं करते, केवल अकादमिक निंदा के प्रस्ताव पास करते हैं। देश और पंजाब के नौजवानों में राष्ट्रवाद और सेना के पराक्रम पर लोगों का ध्यान केंद्रित किया जा रहा है लेकिन साथ ही इसमें से रोजगार का रास्ता सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भागीदारी से निकाला जाता है। देश की नई सरकार के चाहवान कहते हैं कि अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए 22 सेक्टरों की पहचान करेंगे, जिससे रोजगार बढ़ेगा। लेकिन असल सेक्टर तो एक ही है, जिसके अधीन पंजाब के गांवों और कस्बों में लघु और कुटीर उद्योगों के द्वारा दरियां बुनी जाती थीं, बर्तन बनाए जाते थे। गन्नों से गुड़ गढ़ा जाता था, जिसे चीनी से अधिक सेहतमंद बताया जाता था। कहां गए रसों के बेलने, कहां गए आमों के बाग, कहां गए ग्रामीण समाज से उभरते हुए लघु और कुटीर उद्योगों का सशक्त स्वर? धड़धड़ाती हुई मशीनों की आवाज में सम्पन्न वर्ग की पौ-बारह पंजाब के सभी शहरों की बहुमंजिला इमारतों में नजर आती है लेकिन बटाला जिले के गोबिंदगढ़ तक के छोटे उद्योग और कुटीर समूह क्यों निष्प्राण पड़े हैं और उसके साथ ही निष्प्राण पड़ी है पंजाब की सांस्कृतिक चेतना जो इस बदलते समय के साथ करवट बदलने के लिए समय के मसीहाओं से अपनी पुनः प्राण प्रतिष्ठा मांग रही है। आइए, इसे प्रतिष्ठित करें।

लेखक साहित्यकार और पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

विचार

श्रीराम शर्मा आचार्य

मनुष्य का जीवन उसके विचारों का प्रतिबिम्ब है। सफलता-असफलता, उन्नति- अवनति, तुच्छता-महानता, सुख-दुःख, शांति-अशांति आदि सभी पहलू मनुष्य के विचारों पर निर्भर करते हैं। किसी भी व्यक्ति के विचार जानकर उसके जीवन का नक्शा सहज ही मालूम किया जा सकता है। मनुष्य को कायर- वीर, स्वस्थ- अस्वस्थ, प्रसन्न-अप्रसन्न कुछ भी बनाने में उसके विचारों का महत्त्वपूर्ण हाथ होता है। तात्पर्य यह है कि अपने विचारों के अनुरूप ही मनुष्य का जीवन बनता-बिगड़ता है। अच्छे विचार उसे उन्नत बनाएंगे तो हीन विचार मनुष्य को गिराएंगे। स्वामी रामतीर्थ ने कहा है-''मनुष्य के जैसे विचार होते हैं वैसा ही उसका जीवन बनता है।' स्वामी विवेकानन्द ने कहा था-''स्वर्ग और नरक कहीं अन्यत्र नहीं, इनका निवास हमारे विचारों में ही है।' भगवान बुद्ध ने अपने शिष्यों को उपदेश देते हुए कहा था-''भिक्षुओ! वर्तमान में हम जो कुछ हैं अपने विचारों के ही कारण और भविष्य में जो कुछ भी बनेंगे वह भी अपने विचारों के कारण।' शेक्सपीयर ने लिखा है-''कोई वस्तु अच्छी या बुरी नहीं है। अच्छाई- बुराई का आधार हमारे विचार ही हैं।' ईसा मसीह ने कहा था-''मनुष्य के जैसे विचार होते हैं वैसा ही वह बन जाता है।' प्रसिद्ध रोमन दार्शनिक मार्क्स आरीलियस ने कहा है-''हमारा जीवन जो कुछ भी है, हमारे अपने ही विचारों के फलस्वरूप है।' प्रसिद्ध अमेरिकी लेखक डेल कार्नेगी ने अपने अनुभवों पर आधारित तय प्रकट करते हुए लिखा है-''जीवन में मैंने सबसे महत्त्वपूर्ण कोई बात सीखी है तो वह है विचारों की अपूर्व शक्ति और महत्ता, विचारों की शक्ति सर्वोच्च और अपार है।' संसार के समस्त विचारकों ने एक स्वर से विचारों की शक्ति और उसके असाधारण महत्त्व को स्वीकार किया है। संक्षेप में जीवन की विभिन्न गतिविधियों का संचालन करने में हमारे विचारों का ही प्रमुख हाथ रहता है। हम जो कुछ भी करते हैं विचारों की प्रेरणा से ही करते हैं। संसार में दिखाई देने वाली विभिन्नताएं, विचित्रताएं भी हमारे विचारों का प्रतिबिम्ब ही है। संसार मनुष्य के विचारों की ही छाया है। किसी के लिए संसार अशांति, क्लेश आदि का आगार है तो किसी के लिए सुख-सुविधा सम्पन्न उपवन। एक-सी परिस्थितियों में, एक-सी सुख-सुविधा समृद्धि से युक्त दो व्यक्तियों में भी अपने विचारों की भिन्नता के कारण असाधारण अंतर पड़ जाता है।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

ईमानदारी से आत्मविश्वास की गरिमा

अंतर्मन/सीता राम गुप्ता

पंजाबी भाषा के रचनाकार डॉ. श्यामसुंदर दीप्ति की एक लघुकथा बीज पढ़ रहा था। कश्मीर सिंह अपने दोस्त सुरजन सिंह के साथ अपने बेटे दिलदार का, जिसकी एक अच्छे सरकारी पद पर नियुक्ति हुई है और जो अपने कॉलेज का बैस्ट एथलीट रहा है, मेडिकल करवाने सिविल सर्जन के दफ्तर पहुंचता है। जांच के बाद डॉक्टर ने बताया कि दिलदार का ब्लड प्रैशर ज्यादा है। इस बात पर कश्मीर सिंह को गुस्सा आ जाता है। इस पर उसका दोस्त सुरजन सिंह कहता है, 'चल छोड़। पांच सौ रुपए मांगता होगा और क्या? मार मुंह पर।' कश्मीर सिंह कहता है, 'पांच-चार सौ की बात नहीं सुरजन मियां। बात यह है कि इसने दिलदार के दिल में बीज गलत बो दिया है और कुछ नहीं।' लघुकथा में कश्मीर सिंह का कथन बहुत महत्वपूर्ण है। आज जिधर नजर डालिए लोग गलत बीज बीजते मिल जाएंगे। ये गलत बीज ही ईमानदारी और नैतिकता की राह में सबसे बड़ी रुकावट हैं। ये गलत बीज ही बढ़ते हुए भ्रष्टाचार का प्रमुख कारण हैं। जब हमारे साथ बार-बार ऐसा होता है तो मन में यही ख्याल आता है कि क्यों न हम भी ऐसा ही करें? अधिकांश युवक जब अपने कार्यक्षेत्र में पदार्पण करते हैं तो उनके मन में अपने कार्य करने के क्षेत्र में अच्छे से अच्छा करने का उत्साह होता है। साथ ही अनेक युवक ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करने के साथ-साथ हर जगह व्याप्त भ्रष्टाचार मिटाने के संकल्प के साथ नौकरी अथवा सेवा के क्षेत्र में आते हैं लेकिन उपरोक्त गलत बीजों के बीजे जाने के कारण उनका उत्साह व संकल्प धरे के धरे रह जाते हैं। शिक्षा का मनुष्य के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण स्थान है। इसकी शुरुआत भी प्रायः गलत बीज बीजने से होती है। सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद अधिकांश अच्छे स्कूलों में मोटे डोनेशन के बिना दाखिला नहीं मिलता। यही कारण है कि हम अपने बच्चों को एक अच्छा इनसान बनने की बजाय एक बड़ा आदमी बनाने को विवश हैं। और बड़ा आदमी बनाने के लिए चाहे जो करना पड़े। चाहे जैसे बीज बीजने पड़ें। लेकिन ये वास्तविकता है कि हर बच्चे को पता होता है कि उसके दाखिले के लिए कितनी रिश्वत दी गई। शिक्षक भी ईमानदारी से पढ़ाना चाहते हैं लेकिन जब उनसे चालीस हजार पर दस्तखत करवाकर मात्र बारह-पंद्रह हजार रुपए उनकी हथेली पर रख दिए जाते हैं तो इसका किसी पर भी अच्छा प्रभाव नहीं पड़ेगा। डॉक्टरी जैसे सम्मानित पेशे का व्यक्ति भी जब रिश्वत लेने लगे तो ये एक गंभीर बात है लेकिन इसके मूल में गलत बीज बीजे जाने का ही असर है। बेशक निजी मेडिकल कॉलेजों में प्रायः मोटा डोनेशन देने पर ही प्रवेश मिलता है लेकिन इसका ये अर्थ तो नहीं कि एक डॉक्टर गलत तरीकों से अपने मरीजों से पैसे ऐंठे। सरकारी अस्पतालों में आज भी अनेक ऐसे डॉक्टर हैं जो निस्स्वार्थ भाव से मरीजों का उपचार करते हैं। कई प्राइवेट डॉक्टर भी बहुत कम या नाममात्र की फीस लेकर रोगियों का उपचार करते हैं। तो ऐसे डॉक्टर बाकी डॉक्टर के रोल मॉडल क्यों नहीं बनते? आज जहां नजर डालिए, गलत बीज ही बीजे जाते दिखलाई पड़ेंगे। तो क्या इस कारण से बाकी लोगों को अनैतिक होने अथवा भ्रष्ट आचरण करने की छूट दे दी जाए? माना कि हमारे मार्ग में कुछ लोगों ने गलत बीज बो दिए लेकिन जिन लोगों ने हमारे मार्ग में सही बीज बीजे, हमें वे क्यों नहीं दिखलाई पड़ते? हम उनकी तरह सिर्फ अच्छे बीज क्यों नहीं बीजते? आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी अपने एक निबंध 'क्या निराश हुआ जाए?' में एक स्थान पर लिखते हैं, 'एक बार रेलवे स्टेशन पर टिकट लेते हुए ग़लती से दस के बजाय सौ रुपये का नोट दे दिया और मैं जल्दी-जल्दी गाड़ी में आकर बैठ गया। थोड़ी देर बाद टिकट बाबू मुझे ढूंढता आया। उसने मुझे पहचान लिया। उसने बड़ी विनम्रता के साथ मेरे हाथ में नब्बे रुपये रख दिए और बोला, 'यह बहुत बड़ी ग़लती हो गई थी। आपने भी नहीं देखा, मैंने भी नहीं देखा।' उसके चेहरे पर आत्मिक संतोष की गरिमा थी। मैं चकित रह गया। उपरोक्त घटना से कई चीज़ें स्पष्ट होती हैं जैसे हर दौर में अच्छे, ईमानदार और विनम्र व्यक्ति मौजूद होते हैं तथा जीवन में जब भी हम अच्छाई, ईमानदारी और विनम्रता आदि उदात्त गुणों का निर्वाह करते हैं तो इससे न केवल हमारे चेहरे पर संतुष्टि का भाव झलकने लगता है अपितु हमारे व्यक्तित्व में भी इसकी गरिमा दिखलाई पड़ने लगती है। बेईमान व्यक्ति के चेहरे से जहां हमेशा धूर्तता टपकती रहती है वहीं ईमानदार व्यक्ति का चेहरा सदैव आत्मविश्वास की गरिमा से दमकता रहता है। आज बहुत से लोग केवल उन क्षेत्रों में ही नौकरी करना चाहते हैं जहां ऊपर की कमाई भी हो और मोटी कमाई हो लेकिन मनुष्य और समाज के संतुलित विकास के लिए भ्रष्टाचार के इस दुष्चक्र को तोड़ना अनिवार्य है।

लोन डिफॉल्ट पर रिजर्व बैंक का नया सर्कुलर 23 मई से पहले

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा चुनाव के दौरान आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू रहने के बावजूद स्ट्रेस्ड ऐसेट्स के रेजॉलुशन के लिए रिजर्व बैंक की ओर से संशोधित दिशानिर्देश जारी करने पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है। सूत्रों के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक ऐसी संपत्तियों के लिए संशोधित गाइडलाइंस 23 मई से पहले जारी कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले लोन डिफॉल्ट पर 12 फरवरी, 2018 के रिजर्व बैंक के सर्कुलर को रद्द कर दिया था। उसके बाद से वह नई गाइडलाइंस लाने पर काम कर रहा है। ये गाइडलाइंस जल्द ही आ सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इसी महीने रिजर्व बैंक के 2,000 करोड़ रुपए से अधिक के कर्जदारों की दिवाला वाली संपत्तियों की पहचान और उनके समाधान संबंधी सर्कुलर को केंद्रीय बैंक के अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए इसे रद्द कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा आदर्श आचार संहिता के दायरे में नहीं आती। अगर रिजर्व बैंक संशोधित गाइडलाइंस जारी करता है तो उस पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकती। सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय बैंक लोन डिफॉल्ट पर नया सर्कुलर लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से पहले ला सकता है। रिजर्व बैंक के 12 फरवरी के सर्कुलर के अनुसार, यदि किसी एनपीए खाते का निपटान 180 दिन के भीतर नहीं होता है तो बैंकों को उसे एक दिन की भी देरी किए बिना दिवाला प्रक्रिया के लिए भेजना होगा। यह निर्देश उन खातों के लिए दिया गया था जिनमें कम-से-कम 2,000 करोड़ रुपए का बकाया है। रिजर्व बैंक नियमों के अनुसार, यदि किसी खाते में 90 दिन तक किस्त की अदायगी नहीं होती है तो उसे नॉन-परफॉर्मिंग ऐसेट्स (एनपीए) वर्ग में डालना होता है। सूत्रों ने बताया कि एनपीए ढांचे में बदलाव के लिए कई विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

एक विकल्प यह भी है कि 90 दिन के अलावा 60 से 90 दिन का और समय दिया जाए और उसके बाद ही दिवाला प्रक्रिया शुरू की जाए।

विस्तारा अपने बेड़े में शामिल कर सकती है जेट एयरवेज के विमान

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

जेट एयरवेज के जमीन पर खड़े कुछ विमानों को विस्तारा अपने बेड़े में शामिल कर सकती है। कंपनी जेट एयरवेज के कुछ बोइंग 737 विमानों के जरिए कंपनी सेवा विस्तार पर विचार कर रही है। टाटा ग्रुप-सिंगापुर एयरलाइंस के जॉइंट वेंचर एफएसएसी जनवरी 2015 में शुरुआत से एयरबस, 320 विमानों का ही इस्तेमाल कर रही है। इसने जेट एयरवेज के कुछ 737 पायलट्स को हायर किया है। विस्तारा के प्रवक्ता ने बताया, हाल के दिनों में क्षमता में कमी से यात्रियों को असुविधा हुई है। हम मार्केट की डिमांड को पूरी करने के लिए अपने नेटवर्क का विस्तार जारी रखेंगे। विस्तारा ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है जब लो कॉस्ट कैरियर की घरेलू ट्रैफिक में हिस्सेदारी बढ़ी है। यह वृद्धि मार्च में हुई जब जेट एयरवेज कम विमानों के साथ संचालन में थी।

17 अप्रैल को जेट एयरवेज का परिचालन बंद होने के बाद कंपनी की हिस्सेदारी और बढ़ी होगी। भारत के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट्स जैसे दिल्ली, मुंबई और बैंगलोर के स्लॉट की बहुत अधिक कमी होती है। जेट की सेवा रुक जाने से अचानक इस व्यस्त एयरपोर्ट्स पर स्लॉट खाली हो गए हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा है कि जेट का स्लॉट उन्हें दिया जाएगा जो क्षमता को तेजी से बढ़ाकर हवाई टिकटों को सस्ता करने में मदद करेंगे।

पर्यावरण के लिए एयर इंडिया की पहल से 150 किलो ईंधन की बचत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सरकारी विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने प्रदूषण कम करने के लिए एक नई पहल के तहत वैकल्पिक मार्ग और वैकल्पिक हवाई अड्डे के बिना उड़ान भरकर ईंधन की खपत 150 किलोग्राम कम कर दी जिससे एयरलाइन को आर्थिक लाभ के साथ ही प्रदूषण कम करने में भी मदद मिली है। एयर इंडिया ने सोमवार को बताया कि दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हैदराबाद के शमसाबाद हवाई अड्डा जाने वाली उड़ान एआई 560 पर इस नई व्यवस्था को आजमाया गया। विमान सुबह 8.50 बजे शमसाबाद पहुंचा था। आम तौर पर इसी उड़ान के वैकल्पिक मार्ग के लिए चार टन अतिरिक्त ईंधन लेकर चलना पड़ता है। अतिरिक्त ईंधन से विमान का वजन बढ़ जाता है और ईंधन की खपत अधिक होती है। परीक्षण के आधार पर आज भरी गई उड़ान में अतिरिक्त ईंधन नहीं था जिससे 150 किलोग्राम विमान ईंधन की बचत हुई। इस बी787 ड्रीमलाइनर विमान में कैप्टर अमिताभ सिंह मुख्य पायलट थे जो एयर इंडिया के परिचालन निदेशक भी हैं। कैप्टर सुनील कुमार सहायक पायलट की भूमिका में थे। वैकल्पिक मार्ग या गंतव्य तय किए बिना उड़ान मार्ग तय करने का काम विमान सेवा कंपनियों पर छोड़ देने की इस पहल की सिफारिश अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन ने की थी।

रियल्टी ब्रोकरेज कंपनी 360- रियल्टर्स इस साल 1,000 लोगों को रोजगार देगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संपत्ति ब्रोकरेज कंपनी 360 रियल्टर्स इस वित्त वर्ष में 1,000 लोगों की नियुक्ति करेगी। कंपनी के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक अंकित कंसल ने यह जानकारी दी है। कंसल ने कहा कि देश-विदेश में अपने कारोबार के विस्तार के लिए कंपनी की निगाह अमेरिकी बाजार में अधिग्रहण पर है। गुरुग्राम की कंपनी के फिलहाल देश, विदेश में 50 कार्यालय हैं। कंपनी की बिक्री टीम के सदस्यों की संख्या 1,000 है। बीते वित्त वर्ष में कंपनी की आमदनी 46 प्रतिशत बढ़कर 152 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। वर्ष 2018-19 में कंपनी ने 4,100 करोड़ रुपए की 6,000 इकाइयों की बिक्री की। अंकित कंसल ने कहा, ''हमने चालू वित्त वर्ष में 12,000 इकाइयों की बिक्री का लक्ष्य रखा है। इसके लिए हमें लोगों की जरूरत है। चालू वित्त वर्ष में हम 1,000 लोगों की और नियुक्ति करेंगे। उन्होंने कहा कि मूल्य के हिसाब से कंपनी की 30 प्रतिशत बिक्री प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) से आती है। ऐसे में कंपनी भारतीय संपत्तियों के विपणन के लिए अमेरिका में एक ब्रोकरेज कंपनी के अधिग्रहण की संभावना तलाश रही है। इसके लिए भारतीय संपत्तियों को अमेरिका में बेच रही कुछ अमेरिका स्थित ब्रोकरेज कंपनियों से बातचीत चल रही है। देश में रियल एस्टेट बाजार के बारे में कंसल ने कहा कि नियामकीय सुधारों और बेहतर आर्थिक वृद्धि की बदौलत रियल एस्टेट बाजार एक बार फिर से तेजी के रास्ते पर आगे बढ़ने लगा है। इसके साथ ही डेवलपर भी कई आकर्षक योजनाओं के साथ बाजार में आ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल से पाम, सोयाबीन तेल का गैरकानूनी आयात रोका जाए: सोपा

नई दिल्ली। भारतीय सोयाबीन प्रसंस्करणकर्ताओं के संघ (सोपा) ने सोमवार को सरकार से नेपाल से गैरकानूनी तरीके से रिफाइंड सोयाबीन तेल और पामोलीन तेल के आयात पर अंकुश लगाने की मांग की है। दक्षेस के अल्प विकसित देशों को दी गई रियायत के तहत नेपाल से इनका आयात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगता है। भारत अपनी घरेलू खाद्य तेल जरूरत का करीब 70 प्रतिशत आयात से पूरा करता है। हर साल भारत 1.5 से 1.6 करोड़ टन वनस्पति तेल (खाद्य और गैर खाद्य) का आयात करता है। हालांकि, दक्षेस के अल्प विकसित देशों द्वारा भारत को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उन पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगता। सोपा ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड को दिए ज्ञापन में कहा है कि रियायत का फायदा उठाकर नेपाल से शून्य सीमा शुल्क पर काफी मात्रा में पाम और सोयाबीन तेल का आयात किया जा रहा है। उद्योग संगठन ने चिंता जताते हुए कहा कि इससे नेपाल से बड़ी मात्रा में इनके आयात से सरकारी खजाने को नुकसान हो रहा है। साथ ही इससे उद्योग और किसान भी प्रभावित हैं। सोपा ने बोर्ड से घरेलू उद्योग के संरक्षण के लिए उपाय करने को कहा है।

कश्मीरी में हाथों से तैयार दुर्लभ शॉलों की होगी ब्रिटेन में नीलामी

लंदन। कश्मीरी बुनकरों द्वारा हासिल की गयी उच्च स्तर की दस्तकारी दुनियाभर में बेजोड़ है। इसी कारण निजी संग्रह कि स्टी द्वारा द्वारा 17वी सदी में तैयार दुर्लभ कश्मीरी शॉलों को नीलामी के लिए रखा गया है। खानदानी धरोहर बताते हुए नीलामीकर्ता ने संगठन ने घोषणा की है। कशमीरी शॉलो की ऑनलाइन बिक्री 11 जून से 18 जून के बीच होगी। इन शॉलों की कीमत 1,000 से 12,000 पाउंड तक होगी। क्रिस्टी ने कहा है कि कश्मीरी शॉलों का यह महत्वपूर्ण निजी संग्रह नीलामी में शायद अबतक पेशकश किया जाना वाला सबसे अहम संग्रह है। 17वीं सदी से लेकर 19वीं सदी के उत्तरार्ध के दौरान हाथों से तैयार सुसज्जित कश्मीरी शॉलें विलासिता की चीजों के रूप में तैयार की गई हैं। उन्होंने कहा है कि पारंपरिक रूप से पुरूषों और महिलाओं द्वारा ओढ़ी जाने वाली ये खानदानी शॉल पीढ़ियों से परिवार में एक हाथ से दूसरे हाथों तक पहुंचती रहीं। वह बेहतरीन किस्म की ऊन से तैयार और इम्ब्राइडरी की दृष्टि से बेशकीमती हैं।

पाकिस्तान में भारती विमानों पर रोक से एअर इंडिया को हो रहा 300 करोड़ दैनिक नुकसान

नई दिल्ली। फरवरी में पाकिस्तान की ओर से भारत आने-जाने वाले विमानों पर रोक लगाई गई है। इस कारण भारत की सरकारी विमानन कंपनी एअर इंडिया को अब तक 300 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। एअर इंडिया को अब दिल्ली से यूरोप, खाड़ी देशों और अमेरिका जाने वाली लंबी दूरी की फ्लाइट्स के लिए विमान ज्यादा देर तक उड़ाने पड़ रहे हैं। जिससे एयरलाइन का हर रोज 6 करोड़ रुपए का ज्यादा खर्च हो रहा है। पाकिस्तान के इस फैसले के बाद दिल्ली से उड़ान भरने वाली फ्लाइट्स को हवा में ज्यादा देर तक उड़ाने भरनी पड़ रही है। इस प्रतिबंध के कारण एअर इंडिया को फ्यूल खर्च, केबिन स्टाफ खर्च और फ्लाइट्स की संख्या कम करने के कारण रोजाना 6 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। इस नुकसान की भरपाई के लिए विमानन कंपनी एअर इंडिया ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से भरपाई करने की मांग की है। मंत्रालय के एक अधिकारी का कहना है कि इस मुद्दे को संबंधित पक्षों के सामने उठाया जा रहा है।

जॉनसन एंड जॉनसन ने बेबी शैम्पू में हानिकारक रसायन होने से किया इनकार

नई दिल्ली। अमेरिका की कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन ने अपने लोकप्रिय बेबी शैम्पू में हानिकारक रसायन होने की बात को खारिज किया है। राजस्थान सरकार की जयपुर स्थित औषधि परीक्षण प्रयोगशाला ने कंपनी के बेबी शैम्पू में फॉर्मलडिहाइड मिलने की बात कही थी। लेबोरेटरी की रिपोर्ट के आधार पर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को जॉनसन एण्ड जॉनसन बेबी शैम्पू की बिक्री रोकने तथा भंडार से हटाने को कहा था। एनसीपीसीआर ने कहा है कि परीक्षण रिपोर्ट में जॉनसन एण्ड जॉनसन बेबी शैंपू में फार्मलडिहाइड की मौजूदगी का पता चला है। हालांकि, कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसे शैम्पू की बिक्री रोकने के संबंध में कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है। कंपनी ने प्रयोगशाला में हुए परीक्षण के अंतरिम परिणाम को स्वीकार करने से भी इंकार कर दिया। कंपनी के चार हजार करोड़ रुपए के बेबी केयर बाजार में भारत की करीब 75 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी ने कहा, ''हमने भारतीय प्राधिकरणों को बता दिया है कि हम अपने उत्पादों में फॉर्मलडिहाइड का इस्तेमाल नहीं करते हैं।

सोना हुआ 33 हजारी, चांदी 50 रुपए टूटी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर दोनों कीमती धातुओं में गिरावट के बीच स्थानीय जेवराती मांग आने से दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 30 रुपए चढ़कर एक बार फिर 33,000 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया जबकि चांदी 50 रुपए लुढ़ककर 38,700 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। विदेशों से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को सोना हाजिर 4.20 डॉलर टूटकर 1,281.60 डॉलर प्रति औंस रह गया। जून का अमेरिकी सोना वायदा भी 5.10 डॉलर की गिरावट के साथ 1,283.70 डॉलर प्रति औंस बोला गया। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की संभावना के मद्देनजर पिछले कारोबारी दिवस पर एक सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंचने वाली पीली धातु पर सोमवार को मुनाफा वसूली का दबाव रहा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व इस सप्ताह नीतिगत दरों पर बैठक कर रहा है। संभावना है कि वह ब्याज दरों में वृद्धि का सिलसिला तोड़ते हुए इसमें कटौती कर सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी हाजिर 0.06 डॉलर फिसलकर 14.97 डॉलर प्रति औंस रह गई।

नए लेखा मानकों से विमानन कंपनियां देख सकती हैं नफा- नुकसान में उतार चढ़ाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विमानन कंपनियों की समस्या निकट भविष्य में कम होती नहीं दिखती है। पट्टे पर विमान लेने के मामले में नए लेखा मानकों के अमल में आने पर उनके मुनाफे और घाटे में उल्लेखनीय में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। भारतीय लेखा मानक इंड एएस-116 एक अप्रैल से अमल में आ गए हैं। इन मानकों में पट्टे के मामले में मान्यता, प्रस्तुतीकरण और खुलासा करने के सिद्धांत भी शामिल हैं। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा अधिसूचित नए मानकों से विमानन जैसे कई क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण असर पड़ेगा। विमानन क्षेत्र में ज्यादातर कंपनियां अधिकांश विमान पट्टे पर लेकर काम करती हैं। नए लेखा मानक ऐसे समय अमल में आए हैं, जब घरेलू विमानन क्षेत्र पहले से ही ईंधन की बढ़ी लागत, कड़ी प्रतिस्पर्धा, वित्तीय परेशानी और वुनियादी संरचना की समस्याओं से जूझ रहा है। ईवाय इंडिया के नेशनल लीडर एवं पार्टनर (वित्तीय लेखा परामर्श सेवा) संदीप खेतान ने कहा है कि कई विमान डॉलर के हिसाब से पट्टे पर लिए गए हैं। जबकि अधिकांश विमानन कंपनियों के परिचालन की मुद्रा डॉलर नहीं है। उन्होंने कहा है कि नए भारतीय लेखा मानक के तहत प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख पर पट्टा देनदारी को नए सिरे से मुद्रा-विनिमय के हिसाब से दर्शाने की जरूरत है। इसमें मुद्रा विनिमय के आधार पर हुए नुकसान या लाभ को मुनाफे अथवा घाटे में दिखाना जरूरी है। इससे भारतीय विमानन कंपनियों के मुनाफे और घाटे में उल्लेखनीय उथल-पुथल हो सकती है। विमानन उद्योग में कंपनियां सामान्यतः विमान खरीदने के बजाय पट्टे पर लेने को तरजीह देती हैं। नए प्रावधान के तहत कंपनियों को अपने खातों में सभी पट्टे पर लिए गए विमानों के बारे में बताना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे विमानन कंपनियों की शुद्ध आय पर पट्टे के करार के तहत शुरुआत में अधिक ब्याज के कारण नकारात्मक असर होगा। लेकिन बाद के वर्षों में आय पर इसका सकारात्मक प्रभाव होगा।

जेपी इंफ्रा दिवाला मामला : एनबीसीसी ने कहा, गुण-दोष के आधार पर हो उसकी बोली पर विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी ने कर्ज के बोझ से दबी जेपी इंफ्राटेक के अंतरिम निपटान पेशेवर (आईआरपी) को पत्र लिखकर कहा है कि जेपी समूह की रीयल्टी कंपनी के लिए उसकी बोली पर गुण-दोष के आधार पर विचार किया जाए। ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) एनबीसीसी की बोली को पहले खारिज कर चुकी है। आईआरपी अनुज जैन को लिखे पत्र में एनबीसीसी ने कहा कि उसने 24 अप्रैल को जो संशोधित पेशकश जमा की है उस पर जल्द विभिन्न सरकारी विभागों की मंजूरी मिल जाएगी। सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई ने कहा कि जेपी इंफ्राटेक के लिए उसकी निपटान योजना का मकसद बैंकरों के साथ घर के खरीदारों के हितों का संरक्षण करना है। सीओसी की 26 अप्रैल को हुई बैठक में एनबीसीसी की बोली पर विचार नहीं करने का फैसला किया गया था। बैठक में तय किया गया था कि एनबीसीसी की बोली के लिए विभिन्न सरकारी विभागों की मंजूरी की जरूरत होगी ऐसे में इस पर विचार नहीं किया जाए। एनबीसीसी ने बैंकरों के साथ बैठक में सभी मंजूरियों के लिए कुछ समय मांगा था। लेकिन बैंकरों ने और समय नहीं देने का फैसला करते हुए 30 अप्रैल को सुरक्षा रीयल्टी की अगुवाई वाले गठजोड़ के लिए 30 अप्रैल को मतदान का फैसला किया। सूत्रों ने बताया कि आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय ने भी निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग और व्यय विभाग से संपर्क कर संशोधित बोली पर मंजूरी मांगी थी। आईआरपी को लिखे पत्र में एनबीसीसी ने कहा कि वह दिवाला प्रक्रिया में चल रही जेपी इंफ्राटेक का अधिग्रहण करने की काफी इच्छुक है।

भारत में 2023 तक स्मार्टफोन्स की संख्या बढ़ेगी दोगुना, 40 प्रतिशत बढ़ेगे इंटरनेट यूजर्स

नई दिल्ली। भारत में 2013 के बाद डेटा कॉस्ट तेजी से कम होने के कारण इंटरनेट यूजर्स की संख्या बढ़ी है। आंकड़ों के अनुसार 2023 तक भारत में इंटरनेट यूजर्स 40 प्रतिशत हो जाएगी। इसके साथ स्मार्टफोन्स की संख्या दोगुना बढ़ जाएगी। मैकिन्सेकी एक रिपोर्ट के मुताबिक कहा जा रहा है कि 2025 तक कोर डिजिटल सेक्टर में भी दोगुनी बढ़त देखने को मिलेगी। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट की तरफ से डिजिटल इंडिया - टेक्नॉलजी टू ट्रांसफॉर्म अ कनेक्शन नेशन नाम से पेश की गई है। इसमें बताया है कि भारत का डिजिटल मार्केट सबसे तेजी से उभरता मार्केट है। चाइना मौजूदा वक्त में सबसे ज्यादा इंटरनेट सब्सक्राइबर्स वाला देश है और इसके बाद दूसरे सबसे बड़े देश भारत में करीब 56 करोड़ इंटरनेट यूजर्स हैं। मैकिन्से ने कहा है कि 17 मौजूदा और उभरते बाजारों के हमारे विश्लेषण से पता लगाया है कि भारत किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक तेजी से डिजिटल हो रहा है। उनका कहना है कि सरकार की मदद से अर्थव्यवस्था को डिजिटल बनाने में मदद मिली है। रिलायंस जियो जैसी निजी कंपनी के कारण 2013 से डेटा की लागत 95 प्रतिशत से अधिक कम हुई है।

ट्रेन में चोरी के मामले पिछले 10 साल में पांच गुना बढ़े, यात्रियों ने दर्ज करवाए 1.71 लाख मामले

नई दिल्ली। पिछले 10 साल के दौरान रेल यात्रियों ने रेलगाड़ियों में चोरी के 1.71 लाख मामले दर्ज कराए हैं। रेल मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी मिली है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि रेलवे अपने यात्रियों के सामान की सुरक्षा करने की पुख्ता व्यवस्था नहीं कर पाया है। ये आंकड़े बताते हैं कि रेलवे के सुरक्षा प्रबंध में खामियां हैं। पिछले एक दशक में चोरी के सबसे अधिक 36,584 मामले 2018 में दर्ज हुए हैं। सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत मांगी गई जानकारी से यह खुलासा हुआ है। मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार 2017 में चोरी के 33,044 मामले दर्ज किये गये, वर्ष 2016 में 22,106 और 2015 में 19,215 मामले दर्ज किये गये। इसी तरह 2014 में ट्रेनों में चोरी के 14,301, वर्ष 2013 में 12,261, वर्ष 2012 में 9,292, 2011 में 9,653, 2010 में 7,549 और 2009 में 7,010 मामले दर्ज हुए। वर्ष 2009 से 2018 के दौरान ट्रेनों में चोरी के मामलों में पांच गुना वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर 2009 से 2018 के दौरान ट्रेनों में चोरी के कुल 1,71,015 मामले दर्ज किये गये। आंकड़े इस दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं कि रेल यात्री समय-समय पर सोशल मीडिया पर सुरक्षा से संबंधित मुद्दों को लेकर चिंता जताते रहते हैं। भारतीय रेल दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे की ओर से प्रतिदिन 19,000 से अधिक ट्रेनों का परिचालन किया जाता है। रोजाना 1.3 करोड़ लोग रेल यात्रा करते हैं। रेल मंत्रालय के मुताबिक, दैनिक आधार पर औसतन 2,500 मेल, एक्सप्रेस ट्रेनों का रेलवे सुरक्षा बल, रेलवे सुरक्षा विशेष बल की सुरक्षा में परिचालन किया जाता है। इसके अलावा करीब 2,200 ट्रेनों का सरकारी रेलवे पुलिस स्टाफ की सुरक्षा में परिचालन होता है।

सरकारी पोर्टल पर मिलेगी जीएसटी ई-चालान निकालने की सुविधा, नहीं हो पाएगी टैक्स चोरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

माल एवं सेवा कर अधिकारी एक ऐसी प्रणाली पर काम कर रहे हैं जिसमें एक निश्चित सीमा से अधिक कारोबार करने वाली कंपनियों को सरकारी या जीएसटी पोर्टल पर प्रत्येक बिक्री के लिए 'ई-चालान' निकालना होगा। इससे कर चोरी की गुंजाइश काफी हद तक कम हो सकेगी। शुरुआत में एक निश्चित सीमा से अधिक के कारोबार वाली इकाइयों को प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक या ई-चालान पर एक विशिष्ट संख्या मिलेगी। एक अधिकारी ने बताया कि इन नंबर का मिलान बिक्री रिटर्न और चुकाए गए कर के इनवॉइस से किया जा सकेगा। आगे चलकर कंपनियों को बिक्री के पूरे मूल्य पर पूर्ण इलेक्ट्रॉनिक कर चालान या ई-इनवॉइस निकालना होगा। एक अधिकारी के अनुसार, एक निश्चित सीमा से अधिक के कारोबार वाली इकाइयों को एक सॉफ्टवेयर दिया जाएगा, जो जीएसटी या सरकारी पोर्टल से जुड़ा होगा। इससे ई-चालान निकाला जा सकेगा। सीमा का निर्धारण चालान के मूल्य के आधार पर तय किया जा सकेगा। अधिकारी ने बताया कि ई-चालान निकालने की अनिवार्यता पंजीकृत व्यक्ति के कारोबार या चालान मूल्य के आधार पर तय होगी। वैसे विचार यह है

कि यह कारोबार की सीमा पर आधारित हो, ताकि वह बिक्री बिलों को अलग अलग बांट नहीं सकें। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यदि न्यूनतम मूल्य 1,000 रुपए तय किया जाता है तो इस बात की संभावना रहेगी कि कंपनियां इसे कई बिलों में बांट दें जिससे चालान आधारित सीमा से बचा जा सके। अधिकारी ने बताया कि नई ई-चालान प्रणाली के लागू होने के बाद माल की आवाजाही के लिए ई-चालान प्रणाली के लागू होने के बाद माल की आवाजाही के लिए आवश्यक ई-वे बिल की जरूरत नहीं होगी। इसका कारण यह है कि ई-चालान एक केंद्रीयकृत सरकारी पोर्टल के माध्यम से निकाले जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि नई ई-चालान व्यवस्था शुरू होने का बाद कारोबारियों को जीएसटी रिटर्न में भी आसानी होगी। आपको बता दें कि फिलहाल 50,000 रुपए से अधिक के माल को ले जाने के लिए ई-वे बिल आवश्यक है। इस समय जीएसटी के तहत 1.21 करोड़ कारोबार रजिस्टर्ड हैं। इसमें से 20 लाख ने कंपोजिशन स्कीम अपना रखी है।

जैन सोशियल ग्रुप द्वारा नि:शुल्क छाछ वितरण का कार्यक्रम 20 दिनों तक

सूरत। सोमवार को सूरत फोस्टा के तत्वाधान में जैन सोशियल ग्रुप द्वारा जे.जे. मार्केट के गेट पर बढती हुई गर्मी को देखते हुए आज 29-4-2019 से अगले दिनों तक दोपहर 12.30 से 2.30 बजे तक कुल दो घंटे छाछ वितरण का कार्यक्रम चालू रहेगा। जैन सोशियल ग्रुप द्वारा टेक्सटाइल विस्तार के व्यापारी दलाल, मजदूर, स्टाफ, टेम्पोवाले, पार्सल वाले, तथा राहगीरों के लिए छाछ वितरण का कार्यक्रम करने हेतु आज फोस्टा के बोर्ड रुम आज सूरत महानगर पालिका के उप महापौर नीरव भाई शाह फोस्टा के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल,महामंत्री चम्पालाल बोथरा, डायरेक्टर रंगनाथ शारड़ा के साथ महावीर अन्न क्षेत्र के लहेरचन्द भाई चाहवाला जैन सोशियल ग्रुप के अध्यक्ष अनिल जैन, सचिव नितिन जैन तथा पूर्व अध्यक्ष संदीप जी के साथ लगभग 50 से अधिक जैन सोसियल ग्रुप के कार्यकर्ता उपस्थित थे। नीरव शाह ने कहा कि मानव सेवा करने वाले सभी लोग बधाई के पात्रा है। इनके द्वारा किया जाने वाला कार्य अनमोल है। फोस्टा के महामंत्री चम्पालाल बोथरा ने कहा कि कपड़ा बाजार की ह र संस्था जो मानव सेवा जीव दया के क्षेत्र में सेवाभावी रहते है वे सभी बधाई के पात्र है। जैन सोशियल ग्रुप द्वारा सभी के स्वागत अभिनदन करने के बाद जे.जे मार्केट के गेट पर नीरव शाह के हस्तक छाछ केन्द्र का रिबन काट कर उद्घाटन किया गया और छाछ वितरण शुरु किया गया।

पंडोल युवक के हत्या के अपराध में पुलिस द्वारा एट्रोसिटी एक्ट की कलम रद्द करने की अरजी कोर्ट ने रद्द की

पुलिस जांच अधिकारी को कलम रद्द करने का अधिकार नहीं : अदालत

सूरत। सोमवार को इस केस में पीछे से चौक बाजार पुलिस ने एट्रोसिटी एक्ट के तहत की कलम को पूर्ण समर्थन न मिलने पर उसे रद्द करने हेतु अरजी की थी। फरियादी की तरफ से हाजिर वकील अश्विन जोगड़िया ने कोर्ट में प्रस्तुति की थी कि पुलिस जांच के दौरान कोई भी कलम रद्द करने की सत्ता पुलिस के पाल नहीं होती है। क्रिमिनल प्रोसिजर कोड़ एक्ट में कही भी जांच अधिकारी को कलम रद्द करने की सत्ता नहीं होती है। दोनों पक्षकारों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने कलम रद्द करने की अरजी को ही रद्द कर दिया। वेड रोड़ के पंडोल विस्तार में पुलिस ने हत्या के एक अपराध में एट्रोसिटी एक्ट लगाया था। जिसके बाद में रद्द करने हेतु कोर्ट में अरजी की थी जिसको रद्द कर दिया गया। ता. 20-03-2019 के दिन पंडोल स्थित खोडाभाई बाबारिया की हत्या हुई थी। इस अपराध में चौकबाजार पुलिस ने एट्रोसिटी एक्ट के तहत की कलम लगाकर आरोपी विक्रम उर्फ मुन्ना चौहाण की गिरफ्तारी की थी। यह केस कोर्ट में चलने आरोपी ने ज्युडिशियरी कस्टडी के तहत लाजपोर जेल भेज दिया था। इसी बीच

पड़ोसी महिला के साथ तकरार में दुखी किशोरी की आत्महत्या

अहमदाबाद। शहर के बहेरामपुरा में रहती १७ वर्षीय अपने घर में गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। हालांकि, किशोरी की मौत को लेकर कई तर्क-वितर्क लगाये जा रहे है। किशोरी की मौत को लेकर विशेष करके स्थानीय निवासियों में शोक की लहर फैल गई। हालांकि, किशोरी की मौत के इस प्रकरण में पुलिस की जांच में यह बात भी सामने आ रही है कि, किशोरी के सामने के मकान में रहती ५० वर्षीय महिला पिछले डेढ़ वर्ष से उसने उसके साथ दोस्ती करने का कहती थी और यदि दोस्ती नहीं करेगी तो किसी के साथ घर बसा ले यह कहने पर किशोरी को दु:ख हो गया और उसने गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दाणीलीमडा पुलिस ने इस घटना के मामले में फिलहाल, दुर्घटना से मौत अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। लेकिन पड़ोसी महिला समलैंगिक संबंध बनाने के लिए दबाव करती थी नहीं इस दिशा में जांच शुरू कर दी है। शहर के बहेरामपुरा में रहती १७ वर्षीय किशोरी अपने परिवार के साथ रहती थी। इसके घर के सामने ५० वर्षीय महिला रहती है। डेढ़ वर्ष से महिला किशोरी को अपने साथ दोस्ती करने के लिए बारबार दबाव करती थी। लेकिन किशोरी इसके साथ दोस्ती करने के लिए तैयार नहीं थी।

बलात्कार केस में दोषी सिद्ध नारायण साई को आज कोर्ट से सजा सुनाईजाएगी

सूरत। सोमवार को सूरत सिहत समग्र देश में चर्चित बलात्कार केस में नारायण साई उर्फ मोटा भगवान, गंगा, जमना, हनुमान और रमेश मलहोत्रा को अदलात ने दोषित सिद्ध करने के बाद आज कोर्ट सजा का आदेश करेंगी।

इस केश का विवरण यह है कि गत 6 ओक्टोवर 2013 के दिन जहांगीरपुरा शहर की पीडिता ने बलात्कार की शिकायत दर्ज करायी थी। जहांगीरपुरा पुलिस स्टेशन में बलात्कार की दो शिकायते दर्ज की गयी। जिसमे एक आशाराम बापू तथा दुसरी नारायण साई के विरुद्ध थी। आशाराम बापू के नाम दर्ज पुलिस शिकायत जीशे नंबर से चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन अहमदाबाद भेज दी गई जबकि नारायण साई के विरुद्ध दर्ज शिकायत की जांच स्थानीय पुलिस ने शुरु की थी। 58 दिनों तक एक राज्य से दुसरे राज्य में फरार भागते फिर रहे नारायण साई को सूरत तथा दिल्ली पुलिस के संयुक्त आपरेशन में हरियाणा राज्य के कुरुक्षेत्र से पकड़ा गया था। पुलिस ने कोर्ट में प्रस्तुत कर रिमाण्ड लेने के बाद लाजपोर जेल में भेज दिया गया। पिछले 64 महीने से लाजपोर जेल में कच्चा काम का कैदी के रुप में नारायण साई एवं उनके साथ 10 आरोपियों के विरुद्ध ट्रायल पूरी होने के बाद इस केस का अन्तिम निर्णय आज शुक्रवार को दोपहर 1.30 बजे दिया गया। नेहा दीवान एवं अजय दीवान की तरफ से एडवोकेट विनय शुक्ला ने दलीले की थी। इन दोनों आरोपियं को कोर्ट ने निर्दोष छोड़ देने का आदेश दिया है। इसके अतिरिक्त मोहित भोजवाणी चिंटू एवं मोनिका को अदालत ने निर्दोष जाहेर किया था। दोषित पाये गए आरोपियों को अदालत द्वारा 30 अप्रैल 2019 को सजा का आदेश किया जाएगा।

बुद्धिष्ट कुग-फु इन्डीया और नवसारी होम गार्ड कि टीम ने एक नई मुहिम शुरु की समस्त भतिया पाटिदार सेवा समाज नवसारी के वर्द्धाश्रम में कई महिलाए और पुरुष रहते है। वाहा जाकर उन लोगों से मुलाकात कि और उन लोगों को बुद्धिष्ट कुग-फु फाउन्डर बी.आर. विश्नोई ने अपने 20 साल के अनुभव से योगा, मेडिटेशन फिजियो थेरेपि, एक्युप्रेशर तेरेपि इस प्रकार की कई अलग-अलग अभ्यास भी करवाए जिससे मानसिक तनाव दुर हो और शरि में जकड़न दुखाव दुर करने की कोई टेकनिक अभ्याश भी सिखाए जिससे उनकों खुब आनंद मिला और बहुत खुशी हुई और फिरसे आने को कहा, वहा मौजूद आश्रम संचालन शजुभाई, प्रितेश भाई और कई अन्य लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें खाश योगदान नवसारी डी.सी महेन्द्र पटेल सहित, सिनियर कमान्डर जय श्री बेन पलातुन कामान्डेर विकास भाई, ओ.सी सुरेश भाई जलालपुर साहेब और अन्य होमगार्ड सभ्य भी मौजूद रहे। बुद्धिष्ट कुंग-फु गुजरात गिरीश सापकर कल्पेश भाई जोशी और उनकी टीम मौजुद रही।

२१ आईआईटी में प्रवेश के लिए जेईई ली जाती है

जेईई एडवांस के लिए ३ से ९ मई तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

अहमदाबाद। आईआईटी और एनआईटी में प्रवेश के लिए जॉइट एंट्रेस एग्जाम एडवांस -जेईई एडवांस परीक्षा २७ मई को ली जाएगी। इसके लिए विदेश के विद्यार्थियों की रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया फिलहाल में शुरू कर दी गई है। जबकि भारतीय विद्यार्थियों के लिए जेईई एडवांस के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया ३ मई से शुरू होकर ९ मई तक की जाएगी। जेईई एडवांस परीक्षा को लेकर विद्यार्थी भी तैयारी में लग गए हैं।

जेईई मेइन्स के आधार पर एडवांस देने की योग्यता रखने वाले विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन फीस सामान्य और ओबीसी में आते विद्यार्थियों के लिए २६००, एससी एसटी और दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए १३०० रुपये रखा गया है। जेईई एडवांस वेबसाइट पर ऑनलाइन मोक टैस्ट लिंक घोषित की गई है। जिसका मुख्य हेतु विद्यार्थियों को कॉम्प्युटर बेइजड टैस्ट से अवगत कराना है। जिसमें मोक टैस्ट पेपर -१ और मोक टेस्ट पेपर -२ को शामिल किया गया है। २७ मई को आईआईटी रूडकी द्वारा देशभर में परीक्षा ली जाएगी। गत वर्ष में २.२० लाख से ज्यादा विद्यार्थी क्वालिफाइड किया गया था। लेकिन ६५ हजार से ज्यादा विद्यार्थी ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। देशभर की २१ आईआईटी में प्रवेश के लिए हर वर्ष मई महीने में ज ईई (जॉइंट एंट्रेस एग्जाम) की एडवांस परीक्षा ली जाती है। रजिस्ट्रेशन फीस सामान्य और ओबीसी में आते विद्यार्थियों के लिए २६००, एससी एसटी और दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए १३०० रुपये रखा गया है। जेईई एडवांस वेबसाइट पर ऑनलाइन मोक टैस्ट लिंक घोषित की गई है। जिसका मुख्य हेतु विद्यार्थियों को कॉम्प्युटर बेइजड टैस्ट से अवगत कराना है।

हर वर्ष में अलग-अलग आईआईटी द्वारा परीक्षा का आयोजन होता है। जिसमें आगामी वर्ष मई में आईआईटी रुड़की द्वारा परीक्षा ली जाएगी। जेईई मेन परीक्षा में से हर वर्ष २ से २.२० लाख जितने विद्यार्थियों को जेईई एडवांस के लिए योग्य कराया जाता है। इस (वर्ष)वर्ष में जेईई मेन परीक्षा दो वार ली जायेगी। इस वर्ष में पूरी तरह से कॉम्प्युटर आधारित परीक्षा ली जाएगी। जेईई एडवांस परीक्षा को लेकर विद्यार्थी तैयारी में लग गये है।

पानी नागरिकों को मिले यह उद्देश्य है : उपमुख्यमंत्री

गुजरात में पीने के पानी का पर्याप्त जत्था है : नीतिन पटेल

अहमदाबाद। उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल ने बताया है कि, राज्य के ६ करोड़ से ज्यादा नागरिकों को पीने का पानी उपलब्ध कराना यह राज्य सरकार की प्राथमिकता रही है। नर्मदा योजना में उपलब्ध पानी का जत्था राज्य के नागरिकों को पहुंचे इसके लिए राज्य सरकार ने आयोजन किया है। जिसकी वजह से आने वाले समय में नागरिकों को पीने के पानी की कोई समस्या नहीं हो। गर्मी के दौरान राज्य के नागरिकों को पर्याप्त प्रमाण में पीने का पानी मिले इसके लिए नर्मदा बांध में पर्याप्त पानी उपलब्ध है। उपमुख्यमंत्री ने आगे बताया कि, राज्य में हरराेज ३७५ करोड़ लीटर नर्मदा का पानी पीने के इस्तेमाल के लिए दिया जाता है जो गत वर्षि की अपेक्षा हरराेज का ५० करोड़ लीटर ज्यादा है। इसमें से ढाकी, मालिया, वल्लभीपुर नहर, परिवेज-कनेवाल द्वारा फिलहाल १९० करोड़ लीटर पानी कच्छ और सौराष्ट्र को दिया जाता है, जो गत वर्ष की अपेक्षा २० करोड़ लीटर ज्यादा है। गुजरात में नर्मदा आधारित ८९११ गांव, १६५ शहरों और ६ महानगरपालिका में नर्मदा का पानी दिया जाता है। उन्होंने आगे बताया कि, गत वर्ष की तुलना में सौराष्ट्र और कच्छ के जिलों में कम बारिश हुआ हो। जिसकी वजह से पोरबंदर, देवभूमि द्वारका, मोरबी, भावनगर, जामनगर, राज कोट और कच्छ जिलों के बांधों में कम पानी की आय हुई। इसी वजह से यह जिलों में पाताल कुआं भी कम रिचार्ज हुए हैं। उपरोक्त कारणों से राज्य सरकार ने पीने के पानी के लिए नर्मदा नहर की मालिया और वल्लभीपुर ब्रांच नहर चालू रखने का निर्णय लिया है। जिसके अनुसार फिलहाल भी दोनों ब्रांच नहर चालू है जिसमें से पर्याप्त प्रमाण में नर्मदा का पानी पीने के लिए उपलब्ध है। पोरबंदर जिले के फोदारा बांध में फिलहाल नहीं के बराबर पानी है। इस बांध में से पोरबंदर शहर को और समूह योजना को २ करोड़ लीटर जत्था उपलब्ध कराया जाता है। यह कमी को पूरा करने के हेतु राज्य सरकार ने १२० करोड़ की ६४ किमी. लंबी उपलेटा से राणावाव पाइपलाइन के काम मंजूर किए गए। यह कार्यों को युद्ध स्तर पर पूरा किया गया और पानी आपूर्ति राणावव तक पहुंचाया गया है। आगामी दो दिन में आनुशांगिक कार्यों को पूरा करके वॉटर ट्रीटमेन्ट प्लांट के द्वारा पोरबंदर को पानी उपलब्ध कराया जाएगा। पटेल ने कहा कि, पहले के वर्षों में देवभूमि द्वारका, जामनगर और पोरबंदर क्षेत्रों के लिए कालावड के पास पांच देवडा हेडवर्क्स से ७० एमएलडी, पानी उपलब्ध कराया जाता था। फिलहाल यह जत्थे में उल्लेखनीय वृद्धि करके १३० एमएलडी. तक पानी उपलब्ध कराया जाता है। कच्छ जिले में गत वर्ष २७ करोड़ लीटर पानी नर्मदा तथा टप्पर बांध द्वारा उपलब्ध कराया जाता था जिसके सामने हाल ३२ करोड़ लीटर से ज्यादा पानी उपलब्ध कराया जाता है। इस वर्ष अंजार से भूज के कुकमा तक कच्छ जिले की पाइपलाइन के कार्य युद्ध स्तर पर पूरा किया गया है। जिसके द्वारा भूज, बन्नी, लखपत, अबडासा क्षेत्रों में अभी तक १० करोड़ लीटर पानी दिया जाता था अब यह बढ़कर १३ करोड़ लीटर हुआ है। गढडा की पंपीग स्टेशन की क्षमता बढ़ाने के लिए कई नये पंप भी कार्यरत किए गए हैं, जिसके द्वारा सौराष्ट्र क्षेत्र में हरराेज अतिरिक्त का ५ करोड़ लीटर पानी देने का शुरू किया गया है। अमरेली जिले में चावंड से ५ करोड़ लीटर पानी दिया जाता था जो बढ़ाकर ६ करोड़ लीटर किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने आगे बताया कि, पाटण जिले के सांतलपुर और राधनपुर तहसील के क्षेत्रों के लिए पाइपलाइन के कार्य युद्ध स्तर पर प्रगति में है, जो कुछ ही दिनों में पूरा होने से राधनपुर और सांतलपुर क्षेत्र के गांवों और शहरों की पीने के पानी की समस्या का स्थाई समाधान होगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)